

अंतरराष्ट्रीय पटल पर चमका लखनऊ विश्वविद्यालय: 'एडी साइंटिफिक इंडेक्स-2026' में प्रो. वरुण छाछर संवैधानिक विधि में देश में 16वें स्थान पर

एशिया में 129वां और विश्व स्तर पर 676वां स्थान किया हासिल; विश्वविद्यालय स्तर पर विधि एवं संवैधानिक विधि दोनों श्रेणियों में रहे अव्वल

शोध की निरंतरता और वैश्विक साइटेशन के दम पर बनाई पहचान; युवा शोधार्थियों के लिए बने प्रेरणा स्रोत

लखनऊ : 15 अक्टूबर, 2026

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रोफेसर (डॉ.) वरुण छाछर ने अंतरराष्ट्रीय अकादमिक एवं शोध रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय व प्रदेश का मान बढ़ाया है। विश्व भर के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के शोध प्रभाव का व्यवस्थित मूल्यांकन करने वाले प्रतिष्ठित 'एडी साइंटिफिक इंडेक्स-2026' (AD Scientific Index-2026) में उन्हें संवैधानिक विधि (Constitutional Law) श्रेणी में भारत में 16वां तथा एशिया में 129वां स्थान प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही वे लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि (लॉ) और संवैधानिक विधि दोनों ही श्रेणियों में शीर्ष (प्रथम) स्थान पर रहे हैं। विश्व स्तर पर संवैधानिक विधि श्रेणी में उन्हें 676वीं रैंक हासिल हुई है।

एडी साइंटिफिक इंडेक्स शोधकर्ताओं के शोध-पत्रों, अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों और उनके उद्धरणों (साइटेशन) के आंकड़ों के आधार पर वार्षिक वैश्विक रैंकिंग जारी करता है। इसमें एच-इंडेक्स (H-index), आई-10 इंडेक्स (i10-index) और कुल उद्धरणों को मुख्य आधार बनाया जाता है। इसकी 'स्मार्ट डिसिप्लिन बेंचमार्क' प्रणाली में शोधकर्ताओं की तुलना उनके अपने विषय क्षेत्र के अग्रणी विद्वानों से की जाती है। इसी आधार पर प्रो. छाछर को संवैधानिक विधि के क्षेत्र में देश के शीर्ष विद्वानों में शुमार किया गया है, जबकि विधि की व्यापक राष्ट्रीय श्रेणी में उन्होंने 494वां स्थान प्राप्त किया है।

इंडेक्स के 'स्मार्ट मोमेंटम इंडिकेटर' में प्रो. छाछर का एच-इंडेक्स मोमेंटम स्कोर 1.000 और साइटेशन मोमेंटम स्कोर 0.875 दर्ज किया गया है। यह स्कोर पिछले छह वर्षों के शोध प्रभाव को प्रदर्शित करता है, जिससे स्पष्ट होता है कि उनके शोध-कार्यों को वैश्विक स्तर पर समकालीन विधि विमर्श में निरंतर उद्धृत (Cite) किया जा रहा है और उनके प्रभाव का अधिकांश हिस्सा हालिया वर्षों के उत्कृष्ट शोध से आया है।

संवैधानिक विधि के अंतर्गत मौलिक अधिकार, संघवाद, न्यायिक समीक्षा (Judicial Review) और संवैधानिक नैतिकता जैसे समकालीन विषयों पर प्रो. छाछर लंबे समय से उच्च स्तरीय अध्यापन और शोध कार्य कर रहे हैं। वे विधि संकाय के शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शोध-लेखन, प्रामाणिक प्रकाशन और अकादमिक अनुशासन के प्रति निरंतर प्रोत्साहित करते रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुल 151 शोधकर्ता इस अंतरराष्ट्रीय इंडेक्स में अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में संकाय सदस्यों की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शोध प्रतिष्ठा को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करती है। प्रो. छाछर की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विश्वविद्यालय प्रशासन, विधि संकाय के शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं ने उन्हें बधाई दी और इसे युवा शोधार्थियों के लिए एक बड़ा प्रेरणा स्रोत बताया।

सम्पर्क सूत्र- धर्मवीर खरे

राघवेन्द्र / 06:45 PM